शैक्षिक सत्र 2022–23 हेतु तिथिवार एकेडमिक कैलेण्डर

1.	सत्र आरम्भ करने की तिथि	01 अप्रैल, 2022
2.	मासिक पाठयक्रम के अनुसार वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर मासिक टेस्ट	अगस्त, 2022 अन्तिम सप्ताह
3.	मासिक पाठयक्रम के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर मासिक टेस्ट	जुलाई, 2022 अन्तिम सप्ताह
4.	अर्धवार्षिक परीक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।	सितम्बर, 2022 अन्तिम सप्ताह
5.	अर्धवार्षिक लिखित परीक्षा का आयोजन (सितम्बर माह तक निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर)	अक्टूबर, 2022 के द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह
6.	अर्धवार्षिक परीक्षा के अंक वेबसाइट पर अपलोड करना।	नवम्बर, 2022 प्रथम सप्ताह तक
7.	मासिक पाठयक्रम के अनुसार वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर मासिक टेस्ट	नवम्बर, 2022 अन्तिम सप्ताह
8.	मासिक पाठयक्रम के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर मासिक टेस्ट	दिसम्बर, 2022 अन्तिम सप्ताह
9.	सभी कक्षाओं में पाठ्यक्रम पूर्ण करने की तिथि।	20 जनवरी, 2023 तक
10.	कक्षा–10 एवं 12 की प्री–बोर्ड प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।	जनवरी, 2023 तृतीय सप्ताह में
11.	कक्षा–10 एवं 12 की प्री–बोर्ड की लिखित परीक्षाओं का आयोजन	01 से 15 फरवरी, 2023 तक
12.	कक्षा–9 एवं 11 की वार्षिक परीक्षाओं तथा कक्षा–10 एवं 12 की प्री–बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन एवं उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यॉकन कक्षा–9 एवं 11 की वार्षिक परीक्षाओं के अंक वेबसाइट पर अपलोड करना।	16 से 28 फरवरी, 2023 तक
13.	बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।	16 से 28 फरवरी, 2023 तक
14.	बोर्ड परीक्षा का आयोजन।	मार्च, 2023

सामान्य निर्देश :–

1. जनसामान्य को जानकारी प्रदान करने के लिए उक्त एकेडमिक कैलेण्डर को जिला विद्यालय निरीक्षक, संयुक्त शिक्षा निदेशक, माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 प्रयागराज एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशालय तथा विद्यालयों की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाये।

2. विद्यालय में शिक्षण के दौरान प्रथम वादन से पूर्व, आरम्भ के 15 मिनट प्रातःकालीन प्रार्थना सभा हेतु निर्धारित होंगे जिसमें प्रार्थना होगी तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा 'आज का सुविचार' प्रस्तुत किया जायेगा। विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक दिन किसी नैतिक/प्रासंगिक विषय जैसे –जीवन में मूल्यों का महत्व एवं मूल्यपरक् शिक्षा, विभिन्न मानव मूल्य यथा–चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति, समाजसेवा, कर्तव्यपरायणता, सत्यनिष्ठा आदि, महापुरुषों का जीवन चरित्र, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, स्वास्थ्य–स्वच्छता तथा यातायात व सड़क सुरक्षा आदि पर विचार प्रस्तुत किये जायेंगे।

3. प्रत्येक पक्ष में एक दिन विद्यार्थियों को कैरियर के प्रति जागरूक करने के लिये स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर, बैंक के अधिकारी, सेवायोजन अधिकारी, न्यायिक सेवा से जुड़े अधिकारी, उद्यमियों एवं अन्य प्रतिष्ठित महानुभावों को सम्बोधन हेतु आमंत्रित किया जाय।

4. विद्यालय स्तर पर कक्षा शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों की समय–सारणी तैयार कर ली जाय। तद्नुसार शिक्षण एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाय।

5. 'हैण्ड्स ऑन एक्टीविटीज' एवं एक्सपीरिएन्शियल (Experiential) लर्निंग विधा को गणित एवं विज्ञान विषय में लागू किये जाने हेतु सप्ताह में दो वादन निर्धारित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

6. शैक्षणिक गतिविधियों में जीवन कौशल शिक्षा के समावेश हेतु सप्ताह में दो वादन निर्धारित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

7. विद्यार्थियों द्वारा लाइब्रेरी के समुचित उपयोग हेतु प्रत्येक सप्ताह में एक वादन निर्धारित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

8. पी0एम0ई0विद्या–9–12 पर कक्षावार प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत समय सारणी के दिशा निर्देश पृथक से शिक्षा निदेशक(मा0) एवं सभापति, माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 द्वारा जारी किये जायेंगे।

9. समस्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य उक्त चैनलों पर कक्षावार प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों को सुविधानुसार देखने हेतु शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं को अभिप्रेरित करेंगे।

10. पाठ्य पुस्तकें दीक्षा पोर्टल पर ई–बुक्स के रूप में, माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, प्रयागराज की वेबसाइट पर लिंक के रूप में उपलब्ध हैं जहां से पुस्तकों को विद्यार्थियों द्वारा डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य शिक्षण सामग्री दीक्षा पोर्टल एवं यूट्यूब पर लिंक के माध्यम से वेबसाइट पर उपलब्ध है।

11. शिक्षक शिक्षण के साथ ही विभिन्न प्रयोगात्मक कार्य एवं प्रोजेक्ट कार्य को सम्पन्न करायेंगे तथा दीक्षा पोर्टल/यूट्यूब/वाट्सएप एवं अन्य पोर्टलों पर अध्ययन सामग्रियों के लिंक के माध्यम से पाठ्यवस्तु छात्रों हेतु उपलब्ध करायेंगे।

12. आई0सी0टी0 (Information and Communication Technology) एवं डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला विद्यालय निरीक्षक विभिन्न विषयों पर वेबिनार्स एवं गूगलमीट आयोजित करके अथवा व्हाट्सएप के माध्यम से प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षित करेंगे/करायेंगे। तदुपरान्त प्रशिक्षित प्रधानाचार्य अपनी संस्था के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे।

13. माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड पाठ्यक्रम के अनुसार ही विद्यालयों में शिक्षण कार्य कराया जाये।

14. सभी कक्षाओं के लिए निर्धारित मासिक पाठ्यक्रम उसी माह पूर्ण किया जाय।

15. समर कैम्प–समर क्लासेज का आयोजन– छात्र–छात्राओं की विविध रूचियों व अन्तर्निहित क्षमताओं को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यालय बन्द होने के बाद यथा संभव समर कैम्प/समर क्लासेज चलायी जाएं जिसमें बच्चों को गीत, नृत्य, सिलाई, कढ़ाई, अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण, स्थानीय/पारंपरिक खेल, हस्तशिल्प, सृजनात्मक लेखन, चित्रकला, रंगोली, खेल, नाटक आदि क्रियाकलाप विद्यालय के शिक्षकों या स्थानीय उपलब्ध प्रशिक्षक के माध्यम से सिखाए जायें।

16. समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (SUPW) के अन्तर्गत माह में एक दिन छात्र–छात्राओं से विद्यालय/कक्षा कक्ष की साज–सज्जा, बागवानी, सामूहिक श्रमदान, पेन्टिंग, साज–सज्जा की वस्तुओं का निर्माण, क्ले मॉडलिंग एवं हस्तकला से सम्बन्धित क्रियाकलाप अवश्य कराये जाएँ।

17. वर्ष में दो बार शिक्षक–अभिभावक समिति की बैठक वाले दिन छात्र–छात्राओं द्वारा SUPW के अन्तर्गत किये गये कार्यों व तैयार सामानों की एक प्रदर्शनी भी लगायी जाये।

18. 'विश्व योग दिवस' 21 जून के अवसर पर विद्यालयों में व्यायाम, योग पर आधारित प्रतियोगिता अवश्य आयोजित की जाय।

19. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यालयों में रैली, प्रभात फेरी, आजादी के महानायकों पर आधारित लघु नाटकों का मंचन और राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं आजादी की स्वर्णिम गाथाओं पर आधारित फिल्मों/वृत्तचित्रों का प्रदर्शन इत्यादि नियमित गतिविधियों का आयोजन किया जाय।

20. विद्यालयों में सभी शिक्षकों को शिक्षक डायरी उपलब्ध करायी जाय जिसमें शिक्षकों द्वारा किये जाने वाले शैक्षिक व अन्य कार्यों के साथ–साथ उनकी शिक्षण योजना का भी उल्लेख हो। प्रधानाचार्यों द्वारा शिक्षक डायरी का नियमित अवलोकन भी किया जाय।

21. परिषद द्वारा विगत् वर्ष में वेबसाइट बनाने के निर्देशानुक्रम में जिन विद्यालयों द्वारा अभी तक वेबसाइट विकसित नहीं की गयी है उनके द्वारा माह जुलाई एवं अगस्त,2022 तक वेबसाइट बनाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाये। इसके साथ–साथ वेबसाइट पर विद्यालय की गतिविधियों को प्रदर्शित भी किया जाय।

22. डिजिटल लिट्रेसी को बढ़ाने के लिये सभी विद्यालयों द्वारा अपने प्रत्येक पंजीकृत विद्यार्थी से उनकी ई–मेल आई0डी0 बनवायी जाए तथा उसके प्रयोग हेतु उन्हें प्रशिक्षित किया जाय।

23. वर्तमान सत्र से कक्षा–9 एवं 10 की लिखित परीक्षा नये प्रारूप के आधार पर होगी जिसमें 1/3 प्रश्न बहुविकल्पीय और 2/3 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। बहुविकल्पीय प्रश्न लिखित परीक्षा के पूर्णांक के 30 प्रतिशत अंकों के होंगे जिनका उत्तर ओ0एम0आर0 शीट पर देना होगा। वर्णनात्मक प्रश्न लिखित परीक्षा के पूर्णांक के 70 प्रतिशत अंकों के होंगे जिनका उत्तर पारम्परिक उत्तर पुस्तिका पर दिया जायेगा।

24. प्रत्येक विद्यालय में 'पर्यावरण क्लब' का गठन करते हुए प्रत्येक कक्षा से कुछ छात्र–छात्राओं को पर्यावरण मित्र चुना जाए जो अपने संगी–साथियों के साथ मिलकर विद्यालय में पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन, स्वच्छता आदि कार्यों को नियमित रूप से करेंगे। पर्यावरण क्लब के अन्तर्गत माह जुलाई, अगस्त में पर्यावरण सप्ताह/पखवाड़े का आयोजन किया जाए जिसके अन्तर्गत पर्यावरण जागरूकता हेतु निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया जाये –

- पौधारोपण/बागवानी/विद्यालय वाटिका तैयार करना।
- चित्रकला/पोस्टर प्रतियोगिता।
- स्लोगन एवं कविता लेखन।
- निबन्ध, कहानी एवं भाषण प्रतियोगिता।
- विद्यालय में कम्पोस्ट पिट बनाना।

25. 'विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस' 21 अगस्त के अवसर पर परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों के योगदान के प्रति कृतज्ञ होते हुए छात्र–छात्राओं में अपने परिवार व समाज के वरिष्ठजनों को आदर–सम्मान, स्नेह, सहयोग देने व उनकी सुरक्षा के प्रति सजग बनाने के उद्देश्य से शिक्षकों द्वारा समूह–चर्चा का आयोजन किया जाए।

26. अर्द्धवार्षिक परीक्षा मासिक शैक्षिक पंचाग के अनुसार सितम्बर माह तक पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से ली जायेगी।

27. शिक्षक विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति का सतत् मूल्यांकन करके कमजोर विद्यार्थियों को उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करें।

28. प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक–अभिभावक समिति की बैठक अर्धवार्षिक परीक्षा, प्री–बोर्ड/वार्षिक परीक्षा के बाद आयोजित की जाय जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति पर अभिभावकों से विचार–विमर्श किया जाय।

29. खेल–कूद, एन0सी0सी0, स्काउटिंग एवं सांस्कृतिक/साहित्यिक गतिविधियों की रूपरेखा जुलाई माह में तैयार कर सदनवार टीमों का चयन किया जाए।

30. प्रत्येक माह के प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विविध पाठ्य–सहगामी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा –

- माह के प्रथम शनिवार को सदनवार सांस्कृतिक गतिविधियों यथा नृत्य, गीत, वादन, नाटक, चित्रकला, रंगोली आदि का आयोजन किया जाये।
- द्वितीय शनिवार को सदनवार खेलकूद आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जायें।
- तृतीय शनिवार को साहित्यिक गतिविधियों यथा निबन्ध लेखन, भाषण, वाद–विवाद एवं सुलेख आदि का सदनवार आयोजन किया जाये।
- चतुर्थ शनिवार को किशोर संसद/सांस्कृतिक/साहित्यिक गतिविधियों पर आधारित सदनवार प्रतियोगिताएं और शक्ति मंच की बैठक करायी जायें।

31. सत्र के आरम्भ में प्रधानाचार्य शिक्षकों के साथ विचार–विमर्श करके 35 कार्यकारी शनिवारों को आयोजित होने वाली गतिविधियों की समय–सारिणी तैयार कर लें तथा इनसे शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को भी ससमय अवगत करा दिया जाये।

32. लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने तथा इस सम्बन्ध में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विद्यालयों में प्रार्थना स्थल पर लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने वाली लघु कथाएं, प्रेरक प्रसंग संक्षिप्त उद्बोधन, गीत आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाय।

शनिवार को होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों तथा शिक्षक अभिभावक समिति की बैठक के दिन भी भाषण, लघु नाटिका, गीत, आदि आयोजित किये जाएं।

33. खेलकूद प्रतियोगिताएं सर्वप्रथम विद्यालय स्तर पर सदनवार आयोजित की जायें। तत्पश्चात् जनपद स्तर पर, मण्डल स्तर पर तथा राज्य स्तर पर प्रतियोगितायें आयोजित करायी जायें एवं प्रत्येक स्तर पर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाय।

34. महापुरुषों की जयन्ती दिवस पर उनके जीवन एवं योगदान के विषय में प्रार्थना सभा के उपरान्त 30 मिनट की चर्चा तथा निबन्ध, पोस्टर एवं वाद विवाद प्रतियोगिता कराकर विद्यार्थियों को जागरूक किया जाए।

35. शनिवार को छोड़कर शेष शिक्षण दिवसों में अंतिम वादन खेल–कूद एवं शारीरिक व्यायाम/योग हेतु निर्धारित किया जाए।

36. बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यालय में "शक्ति मंच" का गठन किया जाय। "शक्ति मंच" की प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित की जाय, जिसमें निम्नलिखित मुद्दों पर सृजनात्मक लेखन, डिबेट, चित्रकला, नाटक, गीत कहानी आदि के माध्यम से चर्चा की जाय–

- अपने आस–पास की उन बालिकाओं की सूची तैयार करना जिनका नामांकन स्कूल में नही हुआ है और साथ ही उन कारणों की सूची बनाना जिनके कारण बालिकाएं विद्यालय नहीं आती है। ऐसी बालिकाओं का नामांकन कराने के लिए विद्यालय की मदद प्राप्त करना।
- बालिकाओं को विद्यालयों में आ रही बाधाओं की चर्चा तथा उसके निवारण की योजना बनाना।
- बाल एवं महिला अधिकारों पर चर्चा।
- बालिकाओं की शिक्षा के महत्व पर चर्चा।
- बालिकाओं के हितों के प्रतिकूल समाज में प्रचलित कुरीतियां तथा निदानात्मक रणनीतियां।
- किशोरावस्था संबंधी शंकाए/ जिज्ञासाएं तथा समाधान।
- आत्म–रक्षा के उपायों पर चर्चा एवं अभ्यास।
- बाल अखबारों/ कॉमिक का निर्माण।
- बच्चों को अपनी शिकायतें लिखकर शिकायत पेटिका में डालने के लिए प्रेरित करना तथा माह के अंतिम शनिवार को एस0एम0सी0 को एक महिला सदस्य के माध्यम से शिकायतों को पढ़कर उत्तर / समाधान कराना।
- बच्चों की सुरक्षा के लिए गठित हेल्प लाइंस व इसके प्रयोग की जानकारी देना।
- बालकों में जेण्डर संवेदनशीलता विकसित करने के संबंध में चर्चा–परिचर्चा।

37. विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर उनका स्वास्थ्य कार्ड तैयार कराया जाय।

38. छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण व स्वास्थ्य की स्थिति से अभिभावकों को भी अवगत कराया जाए। इसके साथ ही पाल्यों के स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, कुपोषण के दुष्प्रभावों व पौष्टिक आहार के प्रति भी उन्हें जागरूक किया जाये।

39. <u>संचारी रोग अभियान के अन्तर्गत –</u>

- विद्यालयों में चिकित्सकों को आमंत्रित कर संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम।
- विद्यालयों में सुरक्षात्मक उपाय जैसे – स्वच्छता, रुके जल का निष्कासन, दवाओं का छिड़काव आदि।

➢ संचारी रोगों से बचाव हेतु रैली, लघु नाटिकाओं, पोस्टर प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन।

40. सप्ताह में एक दिन शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन एवं अधिगम सम्प्राप्ति को बढ़ाने के लिए उचित मार्गदर्शन हेतु उनकी काउन्सिलिंग की जाए।

41. 'बाल दिवस' 14 नवम्बर के अवसर पर विद्यालयों में बालमेला आयोजित किया जाए। आवश्यकतानुसार/सुविधानुसार विद्यालय प्रबन्ध एवं विकास समिति (SMDC) के सदस्यों व अभिभावकों को भी आमन्त्रित किया जाये।

42. व्यावहारिक ज्ञानार्जन में भ्रमण के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए छात्र–छात्राओं के लिए 'शैक्षिक भ्रमण' का आयोजन किया जाए। इसके अन्तर्गत उन्हें स्थानीय/जनपद स्तर के ऐतिहासिक/भौगोलिक/सांस्कृतिक/व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों के भ्रमण पर ले जाना उपयोगी होगा।

43. दिसम्बर माह के चतुर्थ सप्ताह में सभी विद्यालयों में वार्षिकोत्सव का आयोजन कराया जाना सुनिश्चित किया जाय एवं मुख्य अतिथि के रूप में गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाये।

44. विद्यालय में दिसम्बर माह में विशेषज्ञों के नेतृत्व में कक्षा–12 के विद्यार्थियों हेतु कैरियर काउन्सिलिंग सप्ताह का आयोजन किया जाय।

45. विद्यार्थियों की प्रगति एवं प्रयासों के सम्बंध में फीडबैक हेतु छात्र–डायरी उपलब्ध करायी जाए।

46. प्रत्येक विद्यालय की स्मारिका प्रकाशित की जाय और इसकी एक प्रति यू0पी0 बोर्ड को उपलब्ध करायी जाय तथा बच्चों को लेख लिखने हेतु प्रोत्साहित किया जाय। विद्यालय स्मारिका को विद्यालय की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया जायं।

47. विद्यार्थियों के रिपोर्ट कार्ड में अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा के प्राप्तांक अंकित किये जाएंगे तथा उसमें विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का विवरण भी अंकित होगा। समरूपता हेतु इसका प्रारूप बोर्ड द्वारा जारी किया जायेगा।

48. 'उत्तर प्रदेश दिवस' 24 जनवरी के अवसर पर प्रत्येक विद्यालय में प्रदेश के सामान्य ज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता 'उत्तर प्रदेश उत्कृष्ट प्रदेश' का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही जनपद, मण्डल व राज्य स्तर पर भी प्रतियागिता का आयोजन किया जा सकता है।

जनपद स्तर पर – प्रत्येक विद्यालय से 1 छात्र
मण्डल स्तर पर – प्रत्येक जनपद से 5 छात्र
प्रदेश स्तर पर – प्रत्येक मण्डल से 2 छात्र

49. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के विषय में विद्यालयों में कार्यशाला का आयोजन किया जाय तथा प्रत्येक विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020 के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में स्कूल प्लान विकसित किया जाय जिसमें विद्यालय स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों को सम्मिलित किया जाय।

50. एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का निर्धारित समय–सारणी के अनुसार आयोजन कराया जाये।

51. स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाय।

नोट :– सभी विद्यालयों द्वारा वार्षिक शैक्षिक पंचाग में दिये गये समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाय अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

अप्रैल, 2022

1. प्रवेश आरम्भ एवं प्रवेशोत्सव
2. शिक्षण कार्य प्रारम्भ।
3. प्रत्येक विद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट विकसित करने का कार्य प्रारम्भ किया जाय।
4. डिजिटल लिट्रेसी को बढ़ाने के लिये सभी विद्यालयों द्वारा अपने प्रत्येक पंजीकृत विद्यार्थी से उनकी ई0–मेल आई0डी0 बनवाने तथा उसके प्रयोग हेतु प्रशिक्षित किये जाने का कार्य प्रारम्भ किया जाय।

5. स्टाफ मीटिंग करके उनको एकेडमिक कैलेण्डर के महत्वपूर्ण बिन्दुओं से अवगत करा दिया जाये तथा शैक्षिक समय सारणी उपलब्ध करायी जाये।
6. अप्रैल के प्रथम सप्ताह में स्टाफ के साथ शैक्षिक पंचाग को साझा करना तथा शैक्षिक समय सारणी निर्माण।
7. प्रत्येक विषय का माहवार पाठ्यक्रम निर्धारण।
8. विद्यालय में सदनवार छात्रों का विभाजन।

मई, 2022

1. प्रवेश संबंधी कार्यों का सम्पादन तथा ''स्कूल चलो अभियान–माध्यमिक शिक्षा'' का आयोजन।
2. प्रत्येक विद्यालयों द्वारा अपनी वेबसाइट विकसित करने का कार्य पूर्ण किया जाय।
3. डिजिटल लिट्रेसी को बढ़ाने के लिये सभी विद्यालयों द्वारा अपने प्रत्येक पंजीकृत विद्यार्थी से उनकी ई0–मेल आई0डी0 बनवाने तथा उसके प्रयोग हेतु प्रशिक्षित किये जाने का कार्य पूर्ण किया जाय।
4. अनुशासन, स्वच्छता, खेल–कूद, विज्ञान व सांस्कृतिक समितियों का गठन किया जाय।
5. पर्यावरण क्लब का गठन, सम्बन्धित गतिविधियों का आयोजन।
6. विद्यालय में सदनवार छात्रों का विभाजन करते हुए खेल–कूद, स्काउटिंग एवं सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करके सदनवार टीमों का चयन एवं स्काउट–गाइड के दलों का पंजीकरण/नवीनीकरण करा लिया जाय।
7. प्रयोगशाला सम्बन्धी उपकरणों का निरीक्षण करके उपकरणों का सुचारू रूप से कार्य करना सुनिश्चित करा लिया जाये। सभी आवश्यक उपकरणों एवं पदार्थों की पूर्ति कर ली जाये। प्रयोग से सम्बन्धित मॉडल, चार्ट आदि प्रयोगशाला में अवश्य उपलब्ध हों।
8. भण्डार सामग्री का सत्यापन।
9. खेलकूद तथा साहित्यिक, स्काउटिंग एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करना तथा सदनवार टीमों का चयन।
10. विषय आधारित क्लब और सर्किल का गठन।
11. बालिकाओं के 'शक्ति मंच' का गठन।
12. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रत्येक विद्यालय में द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय पर्वो तथा स्वतंत्रता आन्दोलन की प्रमुख घटनाओं पर स्वलिखित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
13. विशेष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान।
14. छात्रों को ग्रीष्मावकाश हेतु प्रोजेक्ट/गृह कार्य देना तथा ग्रीष्मावकाश की घोषणा ।

जून, 2022

1. ग्रीष्मावकाश।
2. समर कैम्प/समर क्लासेज का आयोजन
3. 21 जून को 'विश्व योग दिवस' का आयोजन

जुलाई, 2022

1. शैक्षिक सत्र 2022–23 में कक्षा 9, 10, 11 एवं 12 में संस्थागत अभ्यर्थियों का प्रवेश बोर्ड द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देश एवं निर्धारित कार्य–योजना के अनुसार कर लिया जाय।
2. कक्षा 9 एवं 11 में संस्थागत अभ्यर्थियों का अग्रिम पंजीकरण बोर्ड द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों के अनुसार किया जाये।

3. विभिन्न वर्गों के अर्ह छात्र–छात्राओं के छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र भरवाना तथा अग्रसारित कर प्रेषित करवाना।
4. माह की 25 तारीख तक अध्यापक–अभिभावक संघ की सामान्य सभा की बैठक और कार्यकारिणी का चुनाव किया जाय।
5. दिनांक 01 से 07 जुलाई के मध्य वन महोत्सव पखवाड़ा का आयोजन।
6. छात्रों के गृह कार्य/लिखित कार्य की जाँच।
7. स्काउटिंग का दल पंजीकरण।
8. विशेष प्रतिभाशाली एवं सामान्य से कमजोर छात्रों की पहचान तथा उनके विशेष/उपचारात्मक शिक्षा हेतु शिक्षण कार्यक्रम का निर्धारण।
9. शिक्षकों एवं छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा विकसित पोर्टल पर दर्ज किया जाना एवं शैक्षणिक सत्र के आगामी माहों में इसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
10. निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार लिखित परीक्षा के आधार पर आन्तरिक मूल्यांकन।
11. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित तथा पर्यावरण प्रदूषण से बचाव हेतु जागरूक किया जाय।
12. विशेष शिक्षकों की व्यवस्था।

अगस्त, 2022

1. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्रियाकलापों की सदनवार प्रतियोगिताएं आयोजित कराना।
2. स्वतंत्रता दिवस – 15 अगस्त के अवसर पर संस्था अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाये। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रत्येक विद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान और त्याग के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी देने हेतु राष्ट्रीय एकता एवं देशभक्ति पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।
3. पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं छात्र–छात्राओं को विद्यालय एवं अपने घर के आस–पास वृक्षारोपण तथा उनके संरक्षण हेतु प्रेरित करना।
4. सतत् व्यापक मूल्यांकन के अन्तर्गत कक्षा–9 एवं 10 हेतु प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन।
5. कक्षा 10 तथा 12 के बोर्ड परीक्षा के आवेदन पत्र भरवाने तथा जिला विद्यालय निरीक्षक को समय से प्रेषित करने का कार्य बोर्ड द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों के अनुसार किया जाये।
6. इन्सपायर अवार्ड योजनान्तर्गत जनपदस्तरीय प्रदर्शनी व प्रोजेक्ट प्रतियोगिता हेतु चयनित छात्र–छात्राओं की तैयारी।
7. विद्यालय स्तर पर विज्ञान इत्यादि क्लब के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कराया जाय।
8. 21 अगस्त को 'विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस' सम्बन्धी गतिविधियों का आयोजन।
9. विद्यालयों में सदनवार शारीरिक व्यायाम एवं योग आधारित प्रतियोगिता का आयोजन।
10. निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर आन्तरिक मूल्यांकन।

सितम्बर, 2022

1. दिनांक 01 से 15 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर संगोष्ठी, सम्पूर्णानन्द वाद–विवाद; महीयसी महादेवी वर्मा वाद–विवाद एवं निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन।
2. इन्सपायर अवार्ड योजनान्तर्गत जनपद में चयनित छात्रों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु तैयारी व प्रतिभाग कराना।
3. 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय स्तर पर शिक्षकों का अभिनन्दन कार्यक्रम। डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जीवन चरित्र पर चर्चा।
4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के विषय में विद्यालयों में कार्यशाला का आयोजन किया जाय तथा प्रत्येक विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में स्कूल प्लान विकसित किया जाय जिसमें स्कूल स्तर पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को सम्मिलित किया जाय।
5. कक्षा 8 में अध्ययनरत अर्ह छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा एवं कक्षा–10 में अध्ययनरत इच्छुक छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भरवाना।
6. 24 सितम्बर को पं0 दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती के अवसर पर उनकी जीवन गाथा और विचारों पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन।
7. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रत्येक विद्यालय द्वारा स्वतंत्रता संग्राम/राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित स्थानीय स्थलों/स्मारकों/स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जन्म स्थली का शैक्षिक भ्रमण का आयोजन।

अक्टूबर, 2022

1. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती के अवसर पर छात्र–छात्राओं को गॉधी जी के जीवन मूल्यों के बारे में जानकारी दी जाय और स्वच्छता हेतु प्रेरित करने के लिए 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन ।
2. समस्त कक्षाओं व विषयों के निर्धारित मासिक शैक्षिक पाठ्यक्रम को सतत् शिक्षण के माध्यम से पूर्ण किया जाय।
3. विज्ञान प्रदर्शनी की जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यालय टीम का प्रतिभाग सुनिश्चित करना।
4. विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन हेतु विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को अवगत कराना तथा उनसे लेख, कविता एवं अन्य सामग्री का आमन्त्रण।
5. शैक्षिक पंचाग में निर्धारित सितम्बर माह तक पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के आधार पर कुल प्रश्नों के 1/3 भाग बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) तथा 2/3 भाग वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का आयोजन।
6. जनपद स्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिताओं हेतु छात्रों का चयन तथा उनकी तैयारी।
7. कला उत्सव का आयोजन।
8. बैण्ड प्रतियोगिता का आयोजन।
9. 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शिक्षकों/कर्मचारियों/छात्र–छात्राओं को "राष्ट्रीय एकता शपथ" दिलाना तथा सरदार पटेल के दूरदर्शितापूर्ण अनुकरणीय कार्यों पर चर्चा हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन।

नवम्बर, 2022

1. अर्धवार्षिक परीक्षा का परीक्षाफल तैयार करना तथा प्राप्तांकों को परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करना।
2. अर्धवार्षिक परीक्षाफल को साझा करने के लिये शिक्षक/अभिभावक बैठक आयोजित करना।
3. विद्यार्थियों द्वारा किये गये कार्यों/तैयार सामानों की प्रदर्शनी।
4. अर्धवार्षिक परीक्षा के आधार पर कमजोर छात्र–छात्राओं के उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था।
5. समस्त कक्षाओं व विषयों के निर्धारित मासिक शैक्षिक पाठ्यक्रम को सतत् शिक्षण के माध्यम से पूर्ण किया जाय।
6. 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर समाज की भलाई के लिए साक्षरता एवं शिक्षा के महत्व पर सेमिनार, निबन्ध लेखन, स्लोगन राइटिंग, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
7. 14 नवम्बर को 'बाल दिवस' के अवसर पर एक सुव्यवस्थित और सम्पन्न राष्ट्र के निर्माण के लिए सभी को बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु कार्यक्रम। बाल मेला का आयोजन।
8. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा हेतु छात्रों के मार्गदर्शन के लिये विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था।
9. विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन।
10. निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार लिखित परीक्षा के आधार पर आन्तरिक मूल्यांकन।
11. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रत्येक विद्यालय द्वारा स्वतंत्रता संग्राम/राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित स्थानीय स्थलों/स्मारकों/स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जन्म स्थली का शैक्षिक भ्रमण का आयोजन।

दिसम्बर, 2022

1. समस्त कक्षाओं व विषयों के निर्धारित मासिक शैक्षिक पाठ्यक्रम को सतत् शिक्षण के माध्यम से पूर्ण किया जाय।
2. दिनांक 01 दिसम्बर को 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर छात्र–छात्राओं को एड्स की बीमारी एवं उससे बचाव के सम्बन्ध में जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।
3. सतत् व्यापक मूल्यांकन के अन्तर्गत कक्षा–9 एवं 10 के लिये द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन।
4. कक्षा 8 के छात्र–छात्राओं से एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा हेतु आवेदन पत्र भरवाना।
5. विज्ञान कांग्रेस का आयोजन।
6. चतुर्थ सप्ताह में विद्यालय वार्षिकोत्सव का आयोजन।
7. विशेषज्ञों द्वारा कक्षा–12 के विद्यार्थियों की कैरियर काउन्सिलिंग हेतु ''कैरियर काउन्सिलिंग सप्ताह'' का आयोजन। यूनिवर्सिटी रेडी कार्यक्रम के अन्तर्गत कक्षा–12 के विद्यार्थियों को भविष्य की सम्भावनाओं से परिचत कराने और प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के लिए विशेष सत्रों का आयोजन।
8. निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर आन्तरिक मूल्यांकन।
9. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता संग्राम/राष्ट्रीय आन्दोलन की थीम पर विद्यालय स्थापना दिवस/वार्षिकोत्सव पर सेमिनार, पेन्टिंग, पोस्टर, निबन्ध लेखन, स्लोगन राइटिंग, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।

जनवरी, 2023

1. समस्त कक्षाओं व विषयों के निर्धारित मासिक शैक्षिक पाठ्यक्रम को सतत् शिक्षण के माध्यम से पूर्ण किया जाय।
2. सभी कक्षाओं में 15 जनवरी, 2023 तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया जाय।
3. कक्षा–10 एवं 12 की प्री–बोर्ड प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।
4. 11 से 17 जनवरी–राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन।
5. प्रतिभाशाली एवं कमजोर छात्र–छात्राओं के विशेष/उपचारात्मक शिक्षण की समीक्षा।
6. 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, साहित्य एवं विविध कलाओं की प्रस्तुति एवं संवर्द्धन हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।
7. 25 जनवरी को मतदाता दिवस के अवसर पर देश की राजनैतिक प्रक्रियाओं में लोगों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन।
8. 26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर संस्थाध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण। देशभक्ति की भावना को प्रेरित करने और देश की विविध सांस्कृतिक समृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।
9. सतत् व्यापक मूल्यांकन के अन्तर्गत कक्षा–10 की दोनों आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षाओं के अंक परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करना।
10. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय आन्दोलनों के अन्तर्निहित मूल्यों तथा प्रमुख घटनाओं के विषय में जानकारी प्रदान की जाय। 30 जनवरी शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गॉधी जी के बलिदान पर परिचर्चा का आयोजन।
11. यूनिवर्सिटी रेडी कार्यक्रम के अन्तर्गत अध्ययन हेतु छात्रों को भविष्य की सम्भावनाओं से परिचत कराने और प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के लिए विशेष सत्रों का आयोजन।

फरवरी, 2023

1. प्रथम सप्ताह से कक्षा–10 एवं 12 की प्री–बोर्ड परीक्षा (लिखित परीक्षा) एवं कक्षा 09 एवं 11 की वार्षिक गृह परीक्षाओं का आयोजन। कक्षा 9 की वार्षिक गृह परीक्षा के कुल प्रश्नों में 1/3 भाग बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) तथा 2/3 भाग वर्णनात्मक प्रश्नों का होगा।
2. प्री–बोर्ड एवं गृह परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एवं परीक्षाफल तैयार करना।
3. कक्षा–10 एवं 12 के प्री–बोर्ड परीक्षा तथा कक्षा–9 एवं 11 के वार्षिक परीक्षाओं के अंक वेबसाइट पर अपलोड करना।
4. बोर्ड परीक्षा की तैयारी।
5. परिषदीय परीक्षा हेतु छात्र/छात्राओं को प्रवेश पत्र उपलब्ध कराना।
6. कक्षा–10 एवं 12 बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन।
7. 10 फरवरी डी–वर्मिंग डे का स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजन।
8. नियोजित साक्षरता कार्यक्रम का मूल्यांकन एवं तत्सम्बन्धी आख्या का जिला विद्यालय निरीक्षक को प्रेषण।

9. 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करने, विज्ञान के क्षेत्र में नये प्रयोगों के लिए प्रेरित करने, विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाने, उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा लोगों के मन में व्याप्त भ्रान्तियों को दूर करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।
10. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यालयों में स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनगाथा पर आधारित काव्यपाठ का आयोजन।

मार्च, 2023

1. 08 मार्च को विश्व महिला दिवस के अवसर पर "महिला सशक्तीकरण" विषय पर संगोष्ठी तथा सम्बन्धित गतिविधियों का आयोजन।
2. बोर्ड परीक्षा का आयोजन।
3. कक्षा–9 एंव कक्षा–11 के छात्रों की गृह परीक्षा के परीक्षाफल का वितरण।
4. कार्यालय द्वारा छात्रों की सभी कक्षाओं के परीक्षाफल को छात्र पंजिका में अंकित कराना।
5. आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूकता हेतु पेंटिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन तथा 23 मार्च शहीद दिवस पर भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव जी के जीवन मूल्यों के संबंध में भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से जानकारी प्रदान की जाय।
6. आगामी सत्र के प्रवेश कार्य हेतु तैयारी।

एकेडमिक कैलेण्डर में समाहित नवीन बिन्दु

- समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (SUPW) के अन्तर्गत माह में एक दिन छात्र–छात्राओं से विद्यालय/कक्षा कक्ष की साज–सज्जा, बागवानी, सामूहिक श्रमदान, पेन्टिंग, साज–सज्जा की वस्तुओं का निर्माण, क्ले मॉडलिंग एवं हस्तकला से सम्बन्धित क्रियाकलाप अवष्य कराये जाएँ।
- वर्ष में दो बार शिक्षक–अभिभावक समिति की बैठक वाले दिन छात्र–छात्राओं द्वारा SUPW के अन्तर्गत किये गये कार्यों व तैयार सामानों की एक प्रदर्शनी भी लगायी जाये।
- 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में व्यायाम, योग पर आधारित प्रतियोगिता अवश्य आयोजित की जाय।
- 21 अगस्त विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों के योगदान के प्रति कृतज्ञ होते हुए छात्र–छात्राओं में अपने परिवार व समाज के वरिष्ठजनों को आदर–सम्मान, स्नेह, सहयोग देने व उनकी सुरक्षा के प्रति सजग बनाने के उद्देश्य से शिक्षकों द्वारा समूह–चर्चा का आयोजन किया जाए।
- समर कैम्प–समर क्लासेज का आयोजन – छात्र–छात्राओं की विविध रूचियों व अन्तर्निहित क्षमताओं को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यालय बन्द होने के बाद यथा संभव समर कैम्प/समर क्लासेज चलायी जाएं जिसमें बच्चों को गीत, नृत्य, सिलाई, कढ़ाई, अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण, स्थानीय/पारंपरिक हस्तशिल्प, सृजनात्मक लेखन, चित्रकला, रंगोली, खेल, नाटक आदि क्रियाकलाप विद्यालय के शिक्षकों या स्थानीय उपलब्ध प्रशिक्षक के माध्यम से सिखाए जायें।
- प्रत्येक विद्यालय में पर्यावरण क्लब का गठन करते हुए प्रत्येक कक्षा से कुछ छात्र–छात्राओं को पर्यावरण मित्र चुना जाए जो अपने संगी–साथियों के साथ मिलकर विद्यालय में पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन, स्वच्छता आदि कार्यों को नियमित रूप से करेंगे। पर्यावरण क्लब

के अन्तर्गत माह जुलाई, अगस्त में पर्यावरण सप्ताह/पखवाड़े का आयोजन किया जाए जिसके अन्तर्गत पर्यावरण जागरूकता हेतु निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया जाये

- ➢ पौधरोपण/बागवानी/विद्यालय वाटिका तैयार करना।
- ➢ चित्रकला/पोस्टर प्रतियोगिता।
- ➢ स्लोगन एवं कविता लेखन।
- ➢ निबन्ध, कहानी एवं भाशण प्रतियोगिता।
- ➢ विद्यालय में कम्पोस्ट पिट बनाना।

• वर्तमान सत्र में कक्षा–9 एवं 10 की लिखित परीक्षा प्रश्नपत्र के नये प्रारूप के आधार पर होगी। प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में पूर्णांक के 30 प्रतिशत अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर ओ0एम0आर0 शीट पर देना होगा। द्वितीय खण्ड में पूर्णांक के 70 प्रतिशत अंकों के वर्णनात्मक प्रश्न होंगे जिनका उत्तर पारम्परिक उत्तर पुस्तिका पर दिया जायेगा।

• बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यालय में ''शक्ति मंच'' का गठन किया जाय। ''शक्ति मंच'' की प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित की जाय, जिसमें निम्नलिखित मुद्दों पर सृजनात्मक लेखन, डिबेट, चित्रकला, नाटक, गीत कहानी आदि के माध्यम से चर्चा की जाय–

- ➢ अपने आस–पास की उन बालिकाओं की सूची तैयार करना जिनका नामांकन स्कूल में नही हुआ है और साथ ही उन कारणों की सूची बनाना जिनके कारण बालिकाएं विद्यालय नहीं आती है। ऐसी बालिकाओं का नामांकन कराने के लिए विद्यालय की मदद प्राप्त करना।
- ➢ बालिकाओं को विद्यालयों में आ रही बाधाओं की चर्चा तथा उसके निवारण की योजना बनाना।
- ➢ बाल एवं महिला अधिकारों पर चर्चा।
- ➢ बालिकाओं की शिक्षा के महत्व पर चर्चा।
- ➢ बालिकाओं के हितों के प्रतिकूल समाज में प्रचलित कुरीतियां तथा निदानात्मक रणनीतियां।
- ➢ किशोरावस्था संबंधी शंकाए/ जिज्ञासाएं तथा समाधान।
- ➢ आत्म–रक्षा के उपायों पर चर्चा एवं अभ्यास।
- ➢ बाल अखबारों/ कॉमिक का निर्माण।
- ➢ बच्चों को अपनी शिकायतें लिखकर शिकायत पेटिका में डालने के लिए प्रेरित करना तथा माह के अंतिम शनिवार को एस0एम0सी0 को एक महिला सदस्य के माध्यम से शिकायतों को पढ़कर उत्तर / समाधान कराना।
- ➢ बच्चों की सुरक्षा के लिए गठित हेल्प लाइंस व इसके प्रयोग की जानकारी देना।
- ➢ बालकों में जेण्डर संवेदनशीलता विकसित करने के संबंध में चर्चा–परिचर्चा।

• छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण व स्वास्थ्य की स्थिति से अभिभावकों को भी अवगत कराया जाए। इसके साथ ही पाल्यों के स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता व पौष्टिक आहार के प्रति भी उन्हें जागरूक किया जाये।

• 14 नवम्बर को बाल दिवस के अवसर पर विद्यालयों में बाल मेला आयोजित किया जाए। आवश्यकतानुसार/सुविधानुसार विद्यालय प्रबन्ध एवं विकास समिति(SMDC) के सदस्यों व अभिभावकों को भी आमन्त्रित किया जाये।

• उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर प्रत्येक विद्यालय में प्रदेश के सामान्य ज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता 'उत्तर प्रदेश उत्कृष्ट प्रदेश' का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही जनपद, मण्डल व राज्य स्तर पर भी प्रतियागिता का आयोजन किया जा सकता है।
जनपद स्तर पर – प्रत्येक विद्यालय से 1 छात्र

मण्डल स्तर पर – प्रत्येक जनपद से 5 छात्र
प्रदेश स्तर पर – प्रत्येक मण्डल से 2 छात्र

- व्यावहारिक ज्ञानार्जन में भ्रमण के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए छात्र–छात्राओं के लिए शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जाए। इसके अन्तर्गत उन्हें स्थानीय/जनपद स्तर के ऐतिहासिक/भौगोलिक/सांस्कृतिक/व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों के भ्रमण पर ले जाना उपयोगी होगा।

- 08 मार्च को विश्व महिला दिवस के अवसर पर निम्नलिखित कार्यक्रमों का यथासम्भव आयोजन किया जाए –

  ➢ महिला सशक्तीकरण पर संगोष्ठी।

  ➢ छात्र–छात्राओं को अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से विविध क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान, उपलब्धियों यथा–खेल, विज्ञान, तकनीकी, कला, साहित्य, संस्कृति, व्यवसाय, राजनीति आदि पर आधारित निबन्ध, पोस्टर व व्याख्यानमाला का आयोजन।

  ➢ मातृशक्ति अभिनन्दन– विद्यालय के उत्कृष्ट छात्र–छात्राओं की माताओं का अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित करना।

- आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यालयों में निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया जाय –

  ➢ प्रत्येक विद्यालय द्वारा स्वतंत्रता संग्राम/राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित स्थानीय स्थलों/स्मारकों/स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जन्म स्थली का शैक्षिक भ्रमण का आयोजन।

  ➢ स्वतंत्रता संग्राम/राष्ट्रीय आन्दोलन की थीम पर विद्यालय स्थापना दिवस/वार्षिकोत्सव पर सेमिनार, पेन्टिंग, पोस्टर, निबन्ध लेखन, स्लोगन राइटिंग, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।

  ➢ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा रैली एवं प्रभात फेरी।

  ➢ आजादी के महानायकों पर आधारित लघु नाटकों का मंचन।

  ➢ प्रार्थना स्थल पर सप्ताह में एक दिन आजादी के संघर्श पर संक्षिप्त उद्बोधन – शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा।

  ➢ राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं आजादी की स्वर्णिम गाथाओं पर आधारित फिल्मों/वृत्तचित्रों का प्रदर्शन।

- संचारी रोग अभियान के अन्तर्गत –

  ➢ विद्यालयों में चिकित्सकों को आमंत्रित कर संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम।

  ➢ विद्यालयों में सुरक्षात्मक उपाय जैसे – स्वच्छता, रुके जल का निष्कासन, दवाओं का छिड़काव आदि।

  ➢ संचारी रोगों से बचाव हेतु रैली, लघु नाटिकाओं, पोस्टर प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन।

- लैंगिक समानता – लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने तथा इस सम्बन्ध में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देष्य से विद्यालयों में निम्न गतिविधियों का आयोजन किया जाय–

  ➢ प्रार्थना स्थल पर लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने वाली लघु कथाएं, प्रेरक प्रसंग संक्षिप्त उद्बोधन, गीत आदि।

  ➢ शनिवार को होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों तथा शिक्षक अभिभावक समिति की बैठक के दिन भी भाषण, लघु नाटिका, गीत, आदि आयोजित किये जाएं।

• शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिये ''स्कूल चलो अभियान–माध्यमिक शिक्षा'' का आयोजन।

• यूनिवर्सिटी रेडी कार्यक्रम के अन्तर्गत अध्ययन हेतु छात्रों को भविष्य की सम्भावनाओं से परिचत कराने और प्रवेश परीक्षा की तैयारियों के लिए विशेष सत्रों का आयोजन।